BA-2
Paper-3
Geography of India & Bihar

(LECTURE-4)

बिहार : प्राकृतिक प्रदेश

Vishal
V.S.J. College

दक्षिण का संकीर्ण पठार –

बिहार के दक्षिणी भाग में संकीर्ण पट्टी के रूप में पश्चिम में कैमूर जिला से लेकर पूर्व में मुंगेर व बाँका जिले तक पठारी भाग का विस्तार है। यह भाग वास्तव में प्रायद्वीपीय पठार का ही अंग है, जो कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जमुई, मुंगेर और बाँका जिला के दक्षिणी भाग में फैला हैं। यह बिहार का प्राचीनतम भूखंड है और कठोर चट्टानों से निर्मित है लेकिन लम्बी अवधि तक अनाच्छादन की क्रिया ने धरातल को असमान कर दिया हैं। इस क्षेत्र में दो मुख्य पठार हैं–

I. कैमूर का पठार – जो विंध्याचल पर्वत का अंग है,
II. खड़गपुर की पहाड़ी – जो छोटानागपुर पठार का अंग हैं।

कैमूर का पठार – यह दक्षिण पश्चिम में स्थित है, जो रोहतास पठार भी कहलाता हैं। सोन नदी इसकी द.पू. सीमा एवं चूना-पत्थर के एस्कार्प उत्तरी सीमा बनाते हैं। यह बालू-पत्थर, चूना व शैल से निर्मित पथरीला एवं ऊबड़-खाबड़ है, जिसके बीच-बीच में बेसिन कमा घाटियां पायी जाती हैं। बाहरी भाग 150 से 300 मी० के बीच एवं मध्य भाग 300 से 450 मी० के बीच ऊँचा है। इसमें जलप्रपात एवं चूना-पत्थर से संबंधित कंदराएँ पायी जाती हैं। इस पठार में चूना-पत्थर, बालू-पत्थर, पायराईट एवं काँच निर्माण के लिए उपयुक्त बालू पाए जाते हैं।

खड़गपुर की पहाड़ी — यह मुख्यतः मुंगेर जिले में है पर विस्तार पूर्व में बाँका एवं दक्षिण में जमुई तक है। यह कोडरमा पठार के उ० पू० में स्थित है। कोडरमा से खड़गपुर की पहाड़ी तक धारवाड़ काल के क्वार्टजाइट तथा

Scanned with CamScanner

वीरूद्ध चट्टान उभरे हुए पाए जाते हैं। ग्रेनाइट, शैल, स्लेट व क्वार्टजाइट चट्टानों की प्रधानता है। ऊंचाई 450 मी० तक है। इसका भीतरी भाग सतपुड़ा, अर्ध झरना एंव घाटी से भरा है। मुख्य पहाड़ियाँ के श्रृंगत्रऋषि, विसाल, सकमा, बाँसीन, मैना, खपद, मुन्दा आदि हैं।

Scanned with CamScanner